भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 2555
04 अगस्त, 2023 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

एड्स का उन्मूलन

2555. श्री प्रतापराव जाधव:
श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:
श्री सुधीर गुप्ता:
श्री बिद्युत बरन महतो:
श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:
श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में वर्ष 2022 के एचआईवी अनुमानों के अनुसार देश भर में एचआईवी से पीड़ित लोगों की संख्या कितनी है;

(ख) क्या जॉइंट संयुक्त राष्ट्र कार्यक्रम (यूएनएड्स) ने एड्स उन्मूलन में शामिल राजनीतिक और वित्तीय विकल्पों और इस मार्ग पर चलने वाले देशों और नेताओं की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए हाल ही में एचआईवी और एड्स पर "द पाथ देट एंड्स एड्स" नामक जारी की गई रिपोर्ट में एड्स उन्मूलन की दिशा में भारत की सराहना की है और यदि हां, तो उक्त रिपोर्ट की मुख्य विशेषताओं सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या देश में एचआईवी से पीड़ित लोगों को अक्सर इलाज देर से मिलता है जिससे इस बीमारी के कारण उनकी मौत हो जाती है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) एचआईवी के संबंध में लोगों में उनकी स्थिति के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है;

(ङ) इस महामारी से निपटने के लिए राष्ट्रीय एड्स और एसटीआई नियंत्रण कार्यक्रम (2021-25) के पांचवें चरण के लिए सरकार द्वारा कुल कितना बजट स्वीकृत और अनुमोदित किया गया है; और

(च) क्या सरकार ने देश से एड्स के उन्मूलन के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री (प्रो. एस.पी. सिंह बघेल)

(क) से (च): एचआईवी अनुमान 2022 के अनुसार, भारत में वर्ष 2022 में एचआईवी से पीड़ित लोगों की अनुमानित संख्या 24.67 लाख (पीएलएचआईवी) है।

जी हाँ। यूएनएड्स ने हाल ही में ग्लोबल एड्स अपडेट 2023 रिपोर्ट जिसका शीर्षक 'द पाथ दैट एंड्स एड्स' है, जारी की है। रिपोर्ट में भारत को उसके कानूनी ढांचे और वित्तीय निवेशों के लिए मान्यता प्रदान की गई है, जिससे भारत को वर्ष '2030 तक सार्वजनिक स्वास्थ्य उपचार के रूप में एड्स को समाप्त करने' की राह पर प्रगति में सहायता मिलेगी। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत सहित कई देशों में नए एचआईवी संक्रमण में गिरावट आई है। रिपोर्ट में भारत को उन देशों में शामिल किया गया है जहां संवेदनशील लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए मौजूदा कानूनों को सुदृढ़ किया गया है। रिपोर्ट की मुख्य बातें अनुलग्नक-1 में दी गई हैं।

जी नहीं, देरी से उपचार मिलने के कारण देश में पीएलएचआईवी के बीच एचआईवी/एड्स के कारण किसी मौत की सूचना नहीं है।

सरकार देश भर में एचआईवी/एड्स के बारे में जागरूकता पैदा करने और एचआईवी परीक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए होर्डिंग्स, बस पैनल, सूचना कियोस्क, लोक प्रदर्शन, प्रदर्शनी वैन जैसे आउटडोर मीडिया द्वारा और कॉलेज में रेड रिबन क्लब के माध्यम से समर्थित मास मीडिया के साथ मिलकर 360-डिग्री मल्टीमीडिया अभियान लागू करती है। एचआईवी परीक्षण और परीक्षण संबंधी सुविधाओं से जुड़ाव के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए स्वयं सहायता समूहों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आशाकर्मियों, पंचायती राज संस्थाओं के सदस्यों और अन्य प्रमुख हितधारकों के लिए अंतर-वैयक्तिक स्तर पर प्रशिक्षण और संवेदीकरण कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं।

राष्ट्रीय एड्स और एसटीडी नियंत्रण कार्यक्रम (2021-2026) के पांचवें चरण के लिए सरकार द्वारा संस्तुत और अनुमोदित कुल बजट 15471.94 करोड़ रु. है।

सरकार ने 2030 तक 'सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में एड्स को समाप्त करने' का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसे अर्जित करने के लिए, सरकार वर्तमान में केंद्रीय क्षेत्र की योजना के रूप में राष्ट्रीय एड्स और एसटीडी नियंत्रण कार्यक्रम (एनएसीपी) के चरण-V को लागू कर रही है। एनएसीपी चरण-V पूर्ण रूप से भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित है और इसे 1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2026 तक पांच साल की अवधि के लिए लागू किया जा रहा है।

एनएसीपी चरण-V बिना किसी कलंक और भेदभाव के एचआईवी का निवारण, पहचान और उपचार के लिए मुफ्त सेवाएं प्रदान करना जारी रखता है। परामर्श और परीक्षण केंद्रों के माध्यम से एचआईवी का शीघ्र पता लगाने के लिए सेवाएं प्रदान की जाती हैं। लगभग 16.06 लाख पीएलएचआईवी वर्तमान में 725 एआरटी केंद्रों से जीवन भर उच्च गुणवत्ता वाले उपचार का नि:शुल्क लाभ उठा रहे हैं। (जून 2023 की स्थिति के अनुसार) कार्यक्रम उपचार के प्रभाव की निगरानी के लिए पात्र पीएलएचआईवी के लिए मुफ्त वायरल लोड परीक्षण भी प्रदान करता है। 2022-2023 के दौरान लगभग 12.30 लाख वायरल लोड परीक्षण किए गए हैं।

अनुलग्नक 1. यूएनएड्स रिपोर्ट 'द पार्थ देर एंडस एड्स' की मुख्य बातें

1. एचआईवी अनुक्रियाएं तब सफल होती हैं जब उन्हें सबूतों का पालन करने के लिए मजबूत राजनीतिक नेतृत्व द्वारा समर्थित किया जाता है; ताकि प्रगति में बाधक असमानताओं का निपटान; अनुक्रिया में समुदायों और सिविल सोसायटी संगठनों को उनकी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में सक्षम बनाने; और पर्याप्त और टिकाऊ वित्त पोषण सुनिश्चित किया जा सके।

2. यह सुनिश्चित करके प्रगति को मजबूत किया गया है कि कानूनी और नीतिगत ढांचे से यह कमजोर न हों, बल्कि इससे अधिकारों को बल मिले। कई देशों ने 2022 और 2023 में हानिकारक कानूनों को हटा दिया है, जिनमें पांच (एंटीगुआ और बारबुडा, बारबाडोस, कुक आइलैंड्स, सेंट किट्स और नेविस, सिंगापुर) शामिल हैं, जिन्होंने समलैंगिक यौन संबंधों को अपराध की श्रेणी से हटा दिया है। संवेदनशील लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए अन्य देशों (मध्य अफ्रीकी गणराज्य, घाना, भारत, कजाकिस्तान, कुवैत, स्पेन) में मौजूदा कानूनों को मजबूत किया गया है।

3. जहां एचआईवी रोकथाम निधि में वृद्धि हुई है वहां एचआईवी की घटनाओं में गिरावट आई है। वर्तमान में, सर्वाधिक अंतराल वाले क्षेत्र - पूर्वी यूरोप और मध्य एशिया और मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका - एचआईवी महामारी के खिलाफ सबसे कम प्रगति कर रहे हैं। कुछ देश जहां एचआईवी की घटनाओं में कमी आ रही है, उनमें डोमिनिकन गणराज्य, भारत, किर्गिस्तान और टोगो शामिल हैं, जो इस मुख्य आबादी के लोगों के लिए एचआईवी के निवारण कार्यक्रमों पर 3% से 16% के बीच खर्च कर रहे हैं।

4. वर्ष 2022 में वैश्विक स्तर पर लगभग 3.9 करोड़ लोग एचआईवी के साथ जी रहे थे और उनमें से लगभग 2.98 करोड़ लोग जीवन रक्षक एआरटी प्राप्त कर रहे थे।

5. दशकों में वर्ष 2022 में सर्वाधिक एचआईवी भार वाले क्षेत्रों में विशेष तौर पर गिरावट के साथ वैश्विक स्तर पर अनुमानित 13 लाख नए एचआईवी संक्रमण सबसे कम थे।

6. कुल मिलाकर, वर्ष 2004 में चरम पर पहुंचने के बाद से एड्स से संबंधित मौतों की संख्या में 69% की कमी आई है। बोत्सवाना, इस्वातिनी, रवांडा, संयुक्त गणराज्य तंजानिया और जिम्बाब्वे, सभी उप-सहारा अफ्रीका में, पहले ही 95-95-95 का लक्ष्य हासिल कर चुके हैं। और कम से कम 16 अन्य देश (उप-सहारा अफ्रीका में आठ) यह लक्ष्य अर्जित करने के करीब हैं।

7. वैश्विक स्तर पर, 2022 में एचआईवी से पीड़ित लगभग तीन-चौथाई (71%) लोगों (एचआईवी से पीड़ित 76% महिलाएं और 67% पुरुष) ने वायरल भार में कमी की थी। वायरल भार में कमी से एचआईवी से पीड़ित लोगों को लंबे समय तक स्वस्थ जीवन जीना सक्षम बनाता है और एचआईवी को यौन रूप से प्रसारित करने का जोखिम शून्य होता है।

8. अर्जित प्रगति के बावजूद, एड्स से 2022 में हर मिनट एक जीवन चला गया। शेष कई चुनौतियों की पृष्ठभूमि वैश्विक एचआईवी अनुक्रिया के लिए बढ़ता फंडिंग अंतर है। वर्ष 2022 में निम्न और मध्यम आय वाले देशों में एचआईवी कार्यक्रमों के लिए कुल 20.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर (स्थिर 2019 अमेरिकी डॉलर) उपलब्ध था – जो वर्ष 2021 की तुलना में 2.6% कम और 2025 तक आवश्यक 29.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर से काफी कम था। वर्ष 2010 के दशक की शुरुआत में, एचआईवी फंडिंग 2013 के समान स्तर जितनी ही हो गई है।

******